PREVIEW QUESTION BANK

Module Name : LAPH16 Sanskrit - ENG
Exam Date : 26-Oct-2023 Batch : 14:30-17:30

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Negative Marks
Objective Question				
1	963001	शोधप्रबन्धे प्रयुज्यमाना भाषा कीदृशी स्यात्? 1. संवादात्मिका 2. आलङ्कारिका अतिशयोक्त्युपेता 3. संक्षिप्ता सारगर्भिता 4. ध्वन्यात्मिका विवक्षात्मिका A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
2	963002	'पुराणम्' इति शोधपत्रिकायाः प्रकाशकः कः? 1. उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानम् 2. अखिलभारतकाशिराजट्रस्ट् 3. बिडला फौण्डेशन् 4. दिल्लीसंस्कृत-अकादमी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
3	963003		4.0	0.00

वाचः भेदविशेषः अस्ति-

A. अभिवृत्तिः
B. आलयविज्ञानम्
C. मध्यमा
D. पश्यन्ती

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. C,D केवलम्
2. A,B केवलम्
3. B,C केवलम्
4. A,D केवलम्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

4	963004	'भवाव' इत्यत्र वसः सकारस्य लोपः केन सूत्रेण भवति- 1. इतश्च 2. तस्य लोपः 3. तासस्त्योर्लोपः 4. नित्यं ङितः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

5	963005	'उद्देशः, लक्षणं, परीक्षा ' इति किमुच्यते? 1. शास्त्रम् 2. शास्त्रप्रवृत्तिः 3. अधिकरणम् 4. शास्त्रार्थः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3	4.0	0.00

A4 : 4

Objective Question

6	963006	Directory of Doctoral Dissertations of Sanskrit of Indian Universities इति ग्रन्थः कुतः प्रकाशितः? 1. भारतीयविश्वविद्यालयसङ्घतः 2. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानतः 3. चिन्मय-अन्താराष्ट्रियशोधसंस्थानतः 4. चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानतः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

7	963007	हलायुधकोशस्य नामान्तरं किम्? 1. अनेकार्थसमुच्चयः 2. अभिधानरत्नमाला 3. एकाक्षरकोशः 4. द्व्यक्षरकोशः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

8	963008	'कारणं विना कार्योत्पत्तिः वर्ण्यते' चेत् तत्र कः अलङ्कारः भवति? 1. काव्यलिङ्गम् 2. विशेषोक्तिः 3. अतिशयोक्तिः 4. विभावना A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question				
9	963009	'द्विधा विधाय चैकैकं चतुर्धा प्रथमं पुनः' इति वाक्यं केन सम्बद्धं वर्तते? 1. अध्यारोपेण 2. अपवादेन 3. पञ्चीकरणेन 4. अनुबन्धेन A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
10	963010	'पूर्वापरनिरपेक्षेणापि हि येन रसचर्वणा क्रियते' इति कस्य लक्षणम्? 1. मुक्तककाव्यस्य 2. महाकाव्यस्य 3. प्रकरणस्य 4. प्रहसनस्य A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
11	963011	'संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास' इति ग्रन्थमाला कुतः प्रकाशिता? 1. दिल्ली-संस्कृत-अकादमीतः 2. उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानतः 3. राजस्थान-संस्कृत-अकादमीतः 4. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानतः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
12	963012		4.0	0.00

		सांख्यकारिकानुसारं 'सिद्धिः' इत्यनेन गृह्यन्ते? 1. यमनियमादयः 2. ऊहशब्दाध्ययनादयः 3. अणिमा-महिमादयः 4. धर्मज्ञानवैराग्यादयः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
13	963013	करुणरसस्य देवता विद्यते- 1. यमः 2. विष्णुः 3. महाकालः 4. रुद्रः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
14	963014	नृत्तरत्नावली-ग्रन्थस्य कर्ता कः? 1. विद्यानाथः 2. शारदातनयः 3. जयापसेनानी 4. नन्दिकेश्वरः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
15	963015		4.0	0.00

		अभिनवभारतीसहितनाट्यशास्त्रस्य हिन्दी-अनुवादकः कः वर्तते? 1. बलदेवोपाध्यायः 2. कपिलदेवद्विवेदी 3. पारसनाथद्विवेदी 4. श्रीकृष्णमणित्रिपाठी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
16	963016	'उपनिषद्वाक्यमहाकोशः' इति ग्रन्थः केन सम्पादितः? 1. वामनशिवराम-आप्टे 2. गजाननशम्भुसाधले 3. पाण्डुरङ्गवामनकाणे 4. टी.गणपतिशास्त्री A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
17	963017	नानार्थार्णवसंक्षेपस्य कर्ता कः? 1. क्षीरस्वामी 2. केशवस्वामी 3. पुरुषोत्तमदेवः 4. हलायुधः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
18	963018		4.0	0.00

The Purana Index इति ग्रन्थः केन सम्पादितः?

1. वी. आर् रामचन्द्रदीक्षितारः
2. आर्. एन् दाण्डेकरः
3. एम्. आर् काले
4. पी.वी काणे

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

19	963019	पाण्डुलिपिग्रन्थान्ते कविनाम-अध्यायनामादिकं यल्लिख्यते तत् उच्यते- 1. परिचयः 2. पुष्पिका 3. विवरणम् 4. समाप्तिः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

20	963020	वार्तिकलक्षणं किम्? 1. उक्तानुक्तदुरुक्तानां........ 2. अल्पाक्षरमसन्दिग्धं......... 3. सूत्रस्थं पदमादाय............ 4. शास्त्रैकदेशसम्बद्धं.......... A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

21	963021		4.0	0.00

		महाभाष्यानुसारं केन विधिना अष्टाध्यायी रचिता- 1. उत्सर्ग-विनियोगविधिना 2. प्रयोग-परिसंख्याविधिना 3. प्रयोग-अपवादविधिना 4. उत्सर्ग-अपवादविधिना A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
22	963022	प्राचीनसंस्कृतशास्त्रग्रन्थेषु व्याख्यातृभिः सन्दर्भस्य (Reference) उद्धरणं कुत्र क्रियते स्म? 1. पृष्ठस्य अधः 2. अपेक्षितस्थले 3. अध्यायान्ते 4. ग्रन्थान्ते A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
23	963023	नव्यः व्यापकश्च निष्कर्षः कस्मिन् विधौ सम्भवति? 1. निगमनात्मकविधौ 2. आगमनात्मकविधौ 3. ऐतिहासिकविधौ 4. तुलनात्मकविधौ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
24	963024		4.0	0.00

		न्यायकोशः केन सम्पादितः? 1. वामनझलकीकरः 2. उदयनाचार्यः 3. वामनशिवराम-आप्टे 4. भीमाचार्यझलकीकरः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
25	963025	सर्वप्रथमम् ऋग्वेदस्य रोमनलिप्यन्तरणं सम्पादनं च केन विहितम्? 1. मङ्गलदेवशास्त्रिणा 2. कोलब्रुक्-वर्येण 3. ओल्डनबर्ग-वर्येण 4. आफ्रेक्ट्-वर्येण A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
26	963026	रामकृष्णविलोमकाव्यस्य प्रणेता वर्तते- 1. रामकृष्णः 2. दैवज्ञसूरिः 3. चिदम्बरकविः 4. कविराजः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
27	963027		4.0	0.00

		पातञ्जलयोगसूत्राणि कतिषु पादेषु विभक्तानि? 1. चतुर्षु 2. षट्सु 3. अष्टसु 4. दशसु A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		

Objective Question

28	963028	शून्यवादिनः सन्ति- 1. वैभाषिकाः 2. योगाचाराः 3. सौत्रान्तिकाः 4. माध्यमिकाः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

29	963029	'शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं त्ववरं स्मृतम्' इत्यत्र अव्यङ्ग्यशब्दस्य कः अर्थः? 1. प्रतीयमानार्थरहितम् 2. गुणालङ्कारसंयुक्तम् 3. स्फुटप्रतीयमानार्थरहितम् 4. वाच्यादनतिशायी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

30	963030		4.0	0.00

		व्याकरणशास्त्रे उद्योतनाम्नी टीका कस्योपरि वर्तते? 1. महाभाष्योपरि 2. प्रदीपटीकोपरि 3. वार्तिकोपरि 4. पाणिनीयसूत्रोपरि A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
31	963031	शोधप्रश्ननिर्माणावसरे शोधार्थिना कुत्र अवधातव्यम्? 1. शोधप्रश्नाः व्यापकाः जटिलाश्च इति विषये 2. शोधप्रश्नाः विषयकेन्दिताः स्पष्टाश्च स्युः इति विषये 3. शोधप्रश्नाः विविधविधासु पुनरावृत्तिपरकाः स्युः इति विषये 4. शोधप्रश्नाः व्यापकाः पुनरावृत्तिपरकाः स्युः इति विषये A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
32	963032	FAMT इति निर्दिशति 1. Free Aid Money for Them 2. Fully Automatic Machine Translation 3. Free Assamese-Marathi Translation 4. Fundamentals of Alignment and Majority A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
33	963033		4.0	0.00

सैक्रेड् बुक्स् आफ् द ईस्ट् (Sacred Books of the East) इति ग्रन्थमालायाः प्रधानसम्पादकः कः आसीत्?

1. विल्सनः
2. मैक्समूलरः
3. कीथः
4. विलियमजोन्सः

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

34	963034	विश्वेश्वरानन्दवैदिकशोधसंस्थानस्य संस्थापकोऽस्ति?	4.0	0.00

1. स्वामी विवेकानन्दः
2. स्वामी विश्वेश्वरानन्दः
3. दामोदर-सत्त्वलेकरः
4. विश्वबन्धुशास्त्री

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

35	963035	इन्ट्रोडक्शन् टु मैनुस्क्रिप्टोलोजी (Introduction to Manuscriptology) इत्यस्य सम्पादकः कः?	4.0	0.00

1. आर् एन् दाण्डेकरः
2. बलदेव-उपाध्यायः
3. शिवगणेशमूर्तिः
4. वी. राघवन्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

36	963036		4.0	0.00

		एन्सैक्लोपीडिया आफ़् इण्डियन् फिलोसफी (Encyclopedia of Indian Philosophy) इत्यस्य सम्पादकः अस्ति- 1. आर्. एन्. दाण्डेकरः 2. कार्ल. एच्. पोट्टरः 3. पी.वी. काणे 4. आर्. वी. जोशी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
37	963037	रामायणस्य समीक्षात्मकं संस्करणं (Critical Edition) कुतः प्रकाशितम्? 1. पुणेतः 2. बडौदातः 3. मद्रासतः 4. कलकत्तातः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
38	963038	'व्यवहारान्नृपः पश्येद्विद्वद्भिर्ब्राह्मणैः सह। धर्मशास्त्रानुसारेण क्रोधलोभविवर्जितः।।' इति श्लोकः कुत्र प्राप्यते? 1. मनुस्मृतौ 2. याज्ञवल्क्यस्मृतौ 3. गौतमधर्मसूत्रे 4. नारदस्मृतौ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
39	963039		4.0	0.00

		शोधप्रबन्धस्य तत्त्वं मन्यते? A. जीवनस्य प्रबन्धनम् B. प्रतिपादने वैशिष्ट्यम् C. नूतनतथ्यान्वेषणम् D. पूर्वस्थापिततथ्यानां नूतनाख्यानम् E. शोधप्रबन्धप्रकाशनम् अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत- 1. A, B, C 2. B, C, D 3. C, D, E 4. E, B, A A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
40	963040	पाण्डुलिपिषु पाठभेदान् जनयति- A. लिपिकारस्य सम्बद्धविषयेऽज्ञानम् B. लिपिकारस्य पाण्डित्यविषयिणी अहम्मन्यता C. ग्रन्थस्य लोकप्रियता D. लिपिकारस्य सावधानता E. लिपिकारस्य धैर्यम् अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत- 1. A,B,C केवलम् 2. B,C,D केवलम् 3. C,D,A केवलम् 4. A,C,E केवलम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
41	963041		4.0	0.00

अधोनिर्दिष्टेषु काव्यशास्त्रस्य शोधसामग्रीसङ्कलनसाधनं चिनुत-

A. विश्वकोशाः
B. पत्रपत्रिकाः
C. विभागीयपञ्जिकाः
D. सर्वकारस्य आयव्ययपत्रकम्
E. मौलिकाः ग्रन्थाः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A,C,E
2. B,C,D
3. A,B,E
4. B,C,E

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

42	963042	शोधोद्देश्यमस्ति- A. उपाधिलाभः B. आजीविकालाभः C. ज्ञानक्षेत्रे विस्तारः D. नूतनतथ्यस्थापनम् E. शिवेतरक्षतिः अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत- 1. A,C,D 2. B,D,E 3. E,A,B 4. B,C,D A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

43	963043	' गायकवाडप्राच्यविद्यासंशोधनमन्दिरम्' इति कुत्र वर्तते? 1. पारडीनगरे 2. पुणे-नगरे 3. होशियारपुरे 4. बडौदा-नगरे	4.0	0.00

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

44	963044	उत्तमशोधकस्य लक्षणं भवति- A. नानाग्रन्थपरिशीलनक्षमता B. सत्यनिष्ठता C. कालयापनम् D. अनधिकारिता अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत- 1. A C केवलम् 2. B C केवलम् 3. A B केवलम् 4. C D केवलम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

45	963045	शोधप्रबन्धे एकवाक्यसिद्धान्तः कीदृशः भवति? A. अनुपयोगी B. उपयोगी C. प्रासङ्गिकः D. अप्रासङ्गिकः अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत- 1. A, B केवलम् 2. A, D केवलम् 3. C, D केवलम् 4. B,C केवलम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

46 963046 4.0 0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	रसगङ्गाधरः	I.	उद्योतः
B.	काव्यप्रकाशः	II.	आननम्
C.	चन्द्रालोकः	III.	उल्लासः
D.	ध्वन्यालोकः	IV.	मयूखः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A- iv, B-i ,C-ii ,D-iii
2. A-i ,B-ii ,C-iii ,D-iv
3. A-iii ,B-iv ,C-i ,D-ii
4. A-ii ,B-iii ,C-iv ,D-i

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

47 963047 4.0 0.00

अधोनिर्दिष्ट-वेदविदुषां प्राचीनाद् अर्वाचीनं क्रमं चिनुत-

A. मैक्समूलरः
B. स्कन्दस्वामी
C. सायणः
D. यास्कः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. D,C,B,A
2. B,D,C,A
3. C,A,B,D
4. D,B,C,A

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

48 963048 4.0 0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	कालिदास-बिब्लियोग्राफी	I.	लुई-रेनुः
B.	वैदिक-बिब्लियोग्राफी	II.	ब्लूमफील्ड्
C.	वैदिक-इण्डिया	III.	सत्यपालनारङ्गः
D.	रिलीजन आफ् दी वेद	IV.	आर्. एन् दाण्डेकरः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-ii ,B- iv ,C- i ,D- iii
2. A-i ,B- iv ,C- iii ,D- ii
3. A-iii ,B- iv ,C- i ,D- ii
4. A-ii ,B- i ,C- iii ,D- iv

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

49	963049		4.0	0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	सङ्गमनी	I.	लखनऊतः
B.	नाट्यम्	II.	जयपुरतः
C.	भारती	III.	प्रयागतः
D.	अजस्रा	IV.	सागरतः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-i, B-iii ,C-ii ,D-iv
2. A- iii, B-iv ,C-ii ,D-i
3. A-iv, B-ii ,C-iii ,D-i
4. A-ii, B-iii ,C-i, D-iv

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

50	963050		4.0	0.00

अधोलिखितानि शास्त्रव्याख्यानतत्त्वानि यथाक्रमं नियोजयत-

A. पदार्थोक्तिः
B. वाक्ययोजना
C. आक्षेपः
D. विग्रहः
E. समाधानम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. B,C,D,A,E
2. A,B,C,D,E
3. A,D,B,C,E
4. C,E,D,B,A

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

51	963051	'नवधा अथर्वणः' इत्युद्धरणं प्राप्यते 1. पुराणे 2. महाभारते 3. अथर्ववेदे 4. महाभाष्ये A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

52	963052	'अपवर्गे तृतीया' इत्यत्र 'अपवर्ग' इत्यस्य शब्दस्य कः अर्थः अस्ति ? 1. स्वर्गः 2. मोक्षः 3. फलप्राप्तिः 4. निर्वाणम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3	4.0	0.00

		A4 : 4		

Objective Question

53	963053	'जुहोति' इत्यत्र 'हु' धातोः 'शप्' प्रत्ययः केन सूत्रेण भवति? 1. कर्तरि शप् 2. जुहोत्यादिभ्यः श्लुः 3. श्लौ 4. प्रत्ययस्य लुक्श्लुलुपः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

54	963054	'तन्मात्रम्' इत्यस्य कः विग्रहः ? 1. तस्य मात्रम् 2. तदेव 3. तेन मात्रम् 4. तद् मात्रा यस्य सः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

55	963055	' रसैः रुद्रैश्छिन्ना यमनसभलागः शिखरिणी' इत्यत्र रुद्रशब्दः कां संख्यां सूचयति? 1. 12 2. 11 3. 21 4. 17 A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

56	963056	हास्यरसस्य देवता भवति 1. विष्णुः 2. गन्धर्वः 3. प्रमथः 4. रुद्रः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

57	963057	काव्यमीमांसायाः प्रथमाधिकरणस्य नाम किम्? तत्र च कति अध्यायाः वर्तन्ते? 1. कविशिक्षणम् - 18 अध्यायाः 2. काव्यरहस्यम् - 16 अध्यायाः 3. शास्त्ररहस्यम् - 18 अध्यायाः 4. कविरहस्यम् - 18 अध्यायाः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

58	963058	"भूतले घटो नास्ति" इत्यस्य असमीचीनकथनं चिनुत। 1. भूतलानुयोगिकः घटप्रतियोगिकः अभावः 2. घटत्वावच्छिन्नप्रतियोगिताकः अभावः 3. घटत्वावच्छिन्नानुयोगिताकः अभावः 4. घटनिष्ठप्रतियोगितानिरूपकः अभावः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

59	963059	"ज्ञातसारोऽपि खल्वेकः सन्दिग्धे कार्यवस्तुनि" इत्युक्तिः प्राप्यते? 1. कुमारसम्भवे 2. शिशुपालवधे 3. नैषधीयचरिते 4. बुद्धचरिते A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
60	963060	अधोलिखितेषु पुराणलक्षणे किं न अन्तर्भवति? 1. प्रतिसर्गः 2. वंशः 3. मन्वन्तरम् 4. कल्पः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
61	963061	योगदर्शने चित्तस्य त्रैगुण्यं भवति- 1. क्षिप्तः, मूढः, द्वेषः 2. सन्तोषः, तपः, स्वाध्यायः 3. प्रख्याशीलत्वात्, प्रवृत्तिशीलत्वात्, स्थितिशीलत्वात् 4. यमः, नियमः, प्राणायामः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
62	963062		4.0	0.00

		'अग्निहोत्रं जुहोति' इत्यत्र अग्निहोत्रशब्दस्य नामधेयत्वं कस्मात् निमित्तात्? 1. तत्प्रख्यशास्त्रात् 2. तद्व्यपदेशात् 3. वाक्यभेदभयात् 4. समभिव्याहारात् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
63	963063	" पदज्ञानं तु करणं द्वारं तत्र पदार्थधीः' इत्यत्र 'धीः' शब्दस्य अर्थः भवति 1. ऊहः 2. स्मरणम् 3. चित्तम् 4. मनः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
64	963064	'सप्तभङ्गी नयः' कस्य दर्शनस्य सिद्धान्तः? 1. बौद्धदर्शनस्य 2. मीमांसादर्शनस्य 3. जैनदर्शनस्य 4. चार्वाकदर्शनस्य A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
65	963065		4.0	0.00

		अङ्गाङ्गिभावसम्बन्धबोधको विधिः कः? 1. विनियोगविधिः 2. उत्पत्तिविधिः 3. प्रयोगविधिः 4. अधिकारविधिः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
66	963066	समाख्या का? 1. यौगिकशब्दः 2. योगरूढशब्दः 3. रूढशब्दः 4. लक्षकशब्दः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
67	963067	श्रुतिलिङ्गवाक्यप्रकरणादिप्रमाणैः किं विधीयते? 1. नामधेयत्वम् 2. विधित्वम् 3. अङ्गत्वम् 4. स्मारकत्वम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
68	963068		4.0	0.00

'निर्माय नूतनमुदाहरणानुरूपं काव्यं मयाऽत्र निहितं न परस्य किञ्चित्' केन उक्तम्?

1. आनन्दवर्धनेन
2. विश्वनाथेन
3. जगन्नाथेन
4. क्षेमेन्द्रेण

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

69	963069	रैक्व-उपाख्यानं कुत्र वर्णितमस्ति?	4.0	0.00

1. छान्दोग्योपनिषदि
2. तैत्तिरीयोपनिषदि
3. कठोपनिषदि
4. मुण्डकोपनिषदि

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

70	963070	आयुर्वेदानुसारं कः धातुः नास्ति?	4.0	0.00

1. रसः
2. मज्जा
3. अस्थि
4. भूः

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

71	963071		4.0	0.00

		शिवतत्त्वरत्नाकरः केन प्रणीतः? 1. वरदराजः 2. बसवराजः 3. शिवराजः 4. रत्नाकरः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
72	963072	काव्यप्रकाशे 'ग्रामतरुणं तरुण्या ....' इति श्लोकः कस्य उदाहरणत्वेन दत्तं वर्तते? 1. ध्वनिकाव्यस्य 2. गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य 3. शब्दचित्रस्य 4. अर्थचित्रस्य A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
73	963073	'या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता' इत्यत्र किं छन्दः वर्तते? 1. स्रग्धरा 2. मन्दाक्रान्ता 3. वसन्ततिलका 4. शार्दूलविक्रीडितम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
74	963074		4.0	0.00

		षड्भावविकारेषु न परिगण्यते? 1. अस्ति 2. विपरिणमते 3. अपक्षीयते 4. लभते A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
75	963075	"तत्त्वमसि" इति महावाक्यं कुत्र प्राप्यते? 1. कठोपनिषदि 2. छान्दोग्योपनिषदि 3. बृहदारण्यकोपनिषदि 4. तैत्तिरीयोपनिषदि A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
76	963076	"समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः" इत्युक्तिः प्राप्यते? 1. सुश्रुतसंहितायाम् 2. भावप्रकाशे 3. अष्टाङ्गहृदये 4. माधवनिधाने A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
77	963077		4.0	0.00

		चतुर्णां वेदानां भाष्यकर्ता वर्तते 1. उव्वटः 2. महीधरः 3. सायणः 4. स्कन्दस्वामी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
78	963078	'रसं ह्येवायं लब्ध्वाऽऽनन्दी भवति' इत्युक्तिः प्राप्यते? 1. ऐतरेयोपनिषदि 2. श्वेताश्वतरोपनिषदि 3. तैत्तिरीयोपनिषदि 4. ईशोपनिषदि A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
79	963079	मीमांसामतानुसारं 'घटः' इत्यस्य कः अर्थः 1. घटत्वविशिष्टघटः 2. घटत्वम् 3. घटः 4. न कोऽपि A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
80	963080		4.0	0.00

		सप्रतियोगिकः पदार्थः नास्ति 1. सम्बन्धः 2. सादृश्यम् 3. अभावः 4. ज्ञानम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
81	963081	पञ्चतन्त्रे वर्णितपञ्चतन्त्रेषु किमन्तर्न भवति ? 1. मित्रलाभः 2. काकोलूकीयम् 3. मित्रसम्प्राप्तिः 4. मित्रभेदः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
82	963082	अन्धतामिस्रः कतिप्रकारकः भवति 1. सप्तदशप्रकारकः 2. षोडशप्रकारकः 3. अष्टादशप्रकारकः 4. पञ्चदशप्रकारकः A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00
Objective Question				
83	963083		4.0	0.00

		अर्थशास्त्रे आन्वीक्षिकीत्रयीवार्तादीनां योगक्षेमसाधनः कः? 1. वार्ता 2. दण्डः 3. भेदः 4. त्रयी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		

Objective Question

84	963084	'मन्ये, शङ्के, ध्रुवं, प्रायः' इत्यादिशब्दैः कः अलङ्कारः व्यज्यते? 1. ससन्देहः 2. उत्प्रेक्षा 3. उपमा 4. भ्रान्तिमान् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

85	963085	अकारहकारयोः सवर्णसंज्ञानिषेधकं सूत्रं किम्? 1. न तिसृचतसृ 2. न पूजनात् 3. न लुमताङ्गस्य 4. नाज्झलौ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00

Objective Question

86	963086		4.0	0.00

साहित्यदर्पणदिशा धीरोदात्तगुणान् चिनुत

A. क्षमावान्
B. निश्चिन्तः
C. प्रचण्डः
D. महासत्त्वः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A,D केवलम्
2. A,C केवलम्
3. C,D केवलम्
4. B,D केवलम्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

87 963087 4.0 0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची II	
A.	प्राणः	I.	सर्वशरीरे
B.	उदानः	II.	नाभौ
C.	व्यानः	III.	कण्ठे
D.	समानः	IV.	हृदि

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-iii ,B-i ,C-iv ,D-ii
2. A-i ,B-ii ,C-iii ,D-iv
3. A-ii ,B-i ,C- iv, D-iii
4. A-iv ,B-iii ,C-i ,D-ii

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

88 963088 4.0 0.00

यथाक्रमं योजयत-

A. प्रतिज्ञा
B. निगमनम्
C. हेतुः
D. उपनयः
E. उदाहरणम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A,D,C,B,E
2. A,C,D,B,E
3. A,C,E,D,B
4. A,C,B,D,E

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

89 963089 4.0 0.00

न्यायशास्त्रदिशा समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	पक्षधर्मता	I.	निश्चितसाध्याभाववान्
B.	पक्षः	II.	निश्चितसाध्यवान्
C.	सपक्षः	III.	सन्धिग्धसाध्यवान्
D.	विपक्षः	IV.	व्याप्यस्य पर्वतादिवृत्तित्वम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-ii ,B-i ,C-iv ,D-iii
2. A-i ,B-ii ,C-iii ,D-iv
3. A-iii ,B-iv ,C-i ,D-ii
4. A-iv ,B-iii ,C-ii ,D-i

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

90 963090 4.0 0.00

वेदान्तसारदिशा समुचितं मेलयत-

सूची I		सूची II	
A.	ब्रह्म	I.	प्राज्ञः
B.	ईश्वरः	II.	विश्वः
C.	हिरण्यगर्भः	III.	आत्मा
D.	वैश्वानरः	IV.	तैजसः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-II ,B-I ,C- IV,D-III
2. A-I ,B- II,C- III,D-IV
3. A-III ,B-I ,C- IV,D-II
4. A-IV ,B-III ,C-II ,D-I

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

91	963091	समुचितं मेलयत-	4.0	0.00

सूची- I		सूची- II	
A.	रुच्यार्थानां प्रीयमाणः	I.	पञ्चमी विभक्तिः
B.	सहयुक्तेऽप्रधाने	II.	चतुर्थी विभक्तिः
C.	कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे	III.	तृतीया विभक्तिः
D.	भुवः प्रभवः	IV.	द्वितीया विभक्तिः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-II , B-IV ,C-III ,D-I
2. A-III ,B-IV ,C-I ,D-II
3. A-II ,B-III ,C-IV ,D-I
4. A-IV ,B-I ,C-II ,D-III

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

92	963092		4.0	0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	वयसि प्रथमे	I.	गोपी
B.	यूनस्तिः	II.	कुमारी
C.	द्विगोः	III.	युवतिः
D.	पुंयोगादाख्यायाम्	IV.	अष्टाध्यायी

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-II ,B-IV ,C-III ,D-I
2. A-II ,B-III ,C-IV ,D-I
3. A-III ,B-IV ,C-I ,D-II
4. A-IV ,B-I ,C-II ,D-III

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

93 963093 4.0 0.00

समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	भट्टनायकः	I.	अभिव्यक्तिवादः
B.	भट्टलोल्लटः	II.	अनुमितिवादः
C.	श्रीशङ्कुकः	III.	भुक्तिवादः
D.	अभिनवगुप्तः	IV.	उत्पत्तिवादः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A- II,B- III,C-IV ,D-I
2. A-I ,B-II ,C-III ,D-IV
3. A-III ,B-I ,C- IV,D-II
4. A-III ,B-IV ,C-II ,D-I

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

94 963094 4.0 0.00

नाट्यशास्त्रदिशा समुचितं मेलयत-

सूची- I		सूची- II	
A.	ऋग्वेदः	I.	अभिनयः
B.	अथर्ववेदः	II.	गीतम्
C.	यजुर्वेदः	III.	पाठ्यम्
D.	सामवेदः	IV.	रसः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A-II ,B-I ,C-IV ,D-III
2. A-I ,B-II ,C-III ,D-IV
3. A-III ,B-IV ,C-I ,D-II
4. A-IV ,B-I ,C-II ,D-III

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

95 963095 4.0 0.00

'गर्भेश्वर्यत्वमभिनवयौवनत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा' इत्युक्तिः कुत्र प्राप्यते?

1. दशकुमारचरिते
2. हर्षचरिते
3. वासवदत्तायाम्
4. कादम्बर्याम्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

96 963096 4.0 0.00

साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्। साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा। सा च द्विधा सविकल्पकनिर्विकल्पकभेदात्। तस्याः करणं त्रिविधम्। कदाचिद् इन्द्रियं, कदाचित् इन्द्रियार्थसन्निकर्षः, कदाचित् ज्ञानम्। कदा पुनरिन्द्रियं करणम्? यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्। तथा हि आत्मा मनसा संयुज्यते, मनः इन्द्रियेण, इन्द्रियमर्थेन। इन्द्रियाणां वस्तुप्राप्यप्रकाशकारित्वनियमात्। ततोऽर्थसन्निकृष्टेनेद्रियेण निर्विकल्पकं नामजात्यादियोजनाहीनं वस्तुमात्रावगाहि किञ्चिदिदमिति ज्ञानं जन्यते। तस्य ज्ञानेन्द्रियं करणं, छिदाया इव परशुः। इन्द्रियार्थसन्निकर्षोऽवान्तरव्यापारः छिदाकरणस्य परशोरिव दारुसंयोगः। निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं, परशोरिव छिदा। कदा पुनरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्? यदा निर्विकल्पकानन्तरं सविकल्पकं नामजात्यादियोजनात्मकं डित्थोऽयं, ब्राह्मणोऽयं, श्यामोऽयमिति विशेषणविशेष्यावगाहि ज्ञानमुत्पद्यते, तदेन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्। निर्विकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, सविकल्पकं ज्ञानं फलम्। कदा पुनर्ज्ञानं करणम्? यदा उक्तसविकल्पकानन्तरं हानोपादानोपेक्षाबुद्धयो जायन्ते तदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणम्। सविकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, हानादिबुद्धयः फलम्।

प्रत्यक्षं नाम किम्?

1. प्रमाकरणम्
2. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः
3. साक्षात्कारिप्रमाकरणम्
4. अनुमितिकरणम्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

97 963097 4.0 0.00

साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्। साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा। सा च द्विधा सविकल्पकनिर्विकल्पकभेदात्। तस्याः करणं त्रिविधम्। कदाचिद् इन्द्रियं, कदाचित् इन्द्रियार्थसन्निकर्षः, कदाचित् ज्ञानम्। कदा पुनरिन्द्रियं करणम्? यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्। तथा हि आत्मा मनसा संयुज्यते, मनः इन्द्रियेण, इन्द्रियमर्थेन। इन्द्रियाणां वस्तुप्राप्यप्रकाशकारित्वनियमात्। ततोऽर्थसन्निकृष्टेनेद्रियेण निर्विकल्पकं नामजात्यादियोजनाहीनं वस्तुमात्रावगाहि किञ्चिदिदमिति ज्ञानं जन्यते। तस्य ज्ञानेन्द्रियं करणं, छिदाया इव परशुः। इन्द्रियार्थसन्निकर्षोऽवान्तरव्यापारः छिदाकरणस्य परशोरिव दारुसंयोगः। निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं, परशोरिव छिदा। कदा पुनरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्? यदा निर्विकल्पकानन्तरं सविकल्पकं नामजात्यादियोजनात्मकं डित्थोऽयं, ब्राह्मणोऽयं, श्यामोऽयमिति विशेषणविशेष्यावगाहि ज्ञानमुत्पद्यते, तदेन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्। निर्विकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, सविकल्पकं ज्ञानं फलम्। कदा पुनर्ज्ञानं करणम्? यदा उक्तसविकल्पकानन्तरं हानोपादानोपेक्षाबुद्धयो जायन्ते तदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणम्। सविकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, हानादिबुद्धयः फलम्।

'तस्याः करणं त्रिविधम्' इत्यत्र 'तस्याः' इत्यनेन पदेन परामर्शः भवति-

1. इन्द्रियस्य
2. प्रमायाः
3. इन्द्रियार्थसन्निकर्षस्य
4. प्रत्यक्षस्य

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

98 | 963098 | 4.0 | 0.00

साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्। साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा। सा च द्विधा सविकल्पकनिर्विकल्पकभेदात्। तस्याः करणं त्रिविधम्। कदाचिद् इन्द्रियं, कदाचित् इन्द्रियार्थसन्निकर्षः, कदाचित् ज्ञानम्। कदा पुनरिन्द्रियं करणम्? यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्। तथा हि आत्मा मनसा संयुज्यते, मनः इन्द्रियेण, इन्द्रियमर्थेन। इन्द्रियाणां वस्तुप्राप्यप्रकाशकारित्वनियमात्। ततोऽर्थसन्निकृष्टेनेद्रियेण निर्विकल्पकं नामजात्यादियोजनाहीनं वस्तुमात्रावगाहि किञ्चिदिदमिति ज्ञानं जन्यते। तस्य ज्ञानेन्द्रियं करणं, छिदाया इव परशुः। इन्द्रियार्थसन्निकर्षोऽवान्तरव्यापारः छिदाकरणस्य परशोरिव दारुसंयोगः। निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं, परशोरिव छिदा। कदा पुनरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्? यदा निर्विकल्पकानन्तरं सविकल्पकं नामजात्यादियोजनात्मकं डित्थोऽयं, ब्राह्मणोऽयं, श्यामोऽयमिति विशेषणविशेष्यावगाहि ज्ञानमुत्पद्यते, तदेन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्। निर्विकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, सविकल्पकं ज्ञानं फलम्। कदा पुनर्ज्ञानं करणम्? यदा उक्तसविकल्पकानन्तरं हानोपादानोपेक्षाबुद्धयो जायन्ते तदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणम्। सविकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, हानादिबुद्धयः फलम्।

साक्षात्कारिप्रमायाः करणं कतिविधं भवति?

1. चतुर्विधम्
2. त्रिविधम्
3. द्विविधम्
4. पञ्चविधम्

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

99 | 963099 | 4.0 | 0.00

साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्। साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा। सा च द्विधा सविकल्पकनिर्विकल्पकभेदात्। तस्याः करणं त्रिविधम्। कदाचिद् इन्द्रियं, कदाचित् इन्द्रियार्थसन्निकर्षः, कदाचित् ज्ञानम्। कदा पुनरिन्द्रियं करणम्? यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्। तथा हि आत्मा मनसा संयुज्यते, मनः इन्द्रियेण, इन्द्रियमर्थेन। इन्द्रियाणां वस्तुप्राप्यप्रकाशकारित्वनियमात्। ततोऽर्थसन्निकृष्टेनेद्रियेण निर्विकल्पकं नामजात्यादियोजनाहीनं वस्तुमात्रावगाहि किञ्चिदिदमिति ज्ञानं जन्यते। तस्य ज्ञानेन्द्रियं करणं, छिदाया इव परशुः। इन्द्रियार्थसन्निकर्षोऽवान्तरव्यापारः छिदाकरणस्य परशोरिव दारुसंयोगः। निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं, परशोरिव छिदा। कदा पुनरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्? यदा निर्विकल्पकानन्तरं सविकल्पकं नामजात्यादियोजनात्मकं डित्थोऽयं, ब्राह्मणोऽयं, श्यामोऽयमिति विशेषणविशेष्यावगाहि ज्ञानमुत्पद्यते, तदेन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्। निर्विकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, सविकल्पकं ज्ञानं फलम्। कदा पुनर्ज्ञानं करणम्? यदा उक्तसविकल्पकानन्तरं हानोपादानोपेक्षाबुद्धयो जायन्ते तदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणम्। सविकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, हानादिबुद्धयः फलम्।

'परशुना काष्ठं छिनत्ति' इत्यत्र अवान्तरव्यापारः कः?

1. परशुः
2. काष्ठः
3. छिदा
4. परशुकाष्ठसंयोगः

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

Objective Question

100	963100	साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्। साक्षात्कारिणी च प्रमा सैवोच्यते या इन्द्रियजा। सा च द्विधा सविकल्पकनिर्विकल्पकभेदात्। तस्याः करणं त्रिविधम्। कदाचिद् इन्द्रियं, कदाचित् इन्द्रियार्थसन्निकर्षः, कदाचित् ज्ञानम्। कदा पुनरिन्द्रियं करणम्? यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्। तथा हि आत्मा मनसा संयुज्यते, मनः इन्द्रियेण, इन्द्रियमर्थेन। इन्द्रियाणां वस्तुप्राप्यप्रकाशकारित्वनियमात्। ततोऽर्थसन्निकृष्टेनेद्रियेण निर्विकल्पकं नामजात्यादियोजनाहीनं वस्तुमात्रावगाहि किञ्चिदिदमिति ज्ञानं जन्यते। तस्य ज्ञानेन्द्रियं करणं, छिदाया इव परशुः। इन्द्रियार्थसन्निकर्षोऽवान्तरव्यापारः छिदाकरणस्य परशोरिव दारुसंयोगः। निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं, परशोरिव छिदा। कदा पुनरिन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्? यदा निर्विकल्पकानन्तरं सविकल्पकं नामजात्यादियोजनात्मकं डित्थोऽयं, ब्राह्मणोऽयं, श्यामोऽयमिति विशेषणविशेष्यावगाहि ज्ञानमुत्पद्यते, तदेन्द्रियार्थसन्निकर्षः करणम्। निर्विकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, सविकल्पकं ज्ञानं फलम्। कदा पुनर्ज्ञानं करणम्? यदा उक्तसविकल्पकानन्तरं हानोपादानोपेक्षाबुद्धयो जायन्ते तदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणम्। सविकल्पकं ज्ञानमवान्तरव्यापारः, हानादिबुद्धयः फलम्। 'निर्विकल्पकानन्तरं यदा सविकल्पकं ज्ञानम् उत्पद्यते तदा किं नाम कारणम्? 1. इन्द्रियम् 2. अर्थः 3. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः 4. ज्ञानम् A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.00